

क्रमांक 114-ज-(I)-84/6240.—भी भरत सिंह, पुत्र श्री नेहों राम, गांव क्षारोयी, तहसील व जिला सोनीपत, की दिनांक 29 सितम्बर, 1983, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए भी भरत सिंह को मुक्तिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 763-ज-II-72/1 5403, दिनांक 28 अप्रैल, 1972 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती गंगा देवी के नाम रखी, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 199-ज-(II)-84/6248.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों को प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री लखू सिंह, पुत्र श्री सबल सिंह, गांव पथेड़ा, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, को रखी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 105-ज-(II)-84/6257.—श्री ग्रात्मार्सिंह, पुत्र श्री दुर्गसिंह, गांव शरोहाड़, तहसील थारेसर, जिला कुहनेत्र, की दिनांक 30 मार्च, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री ग्रात्मा सिंह को मुक्तिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 342-ग्रार-4-67/1063, दिनांक 12 अप्रैल, 1967, अधिसूचना क्रमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती कर्म कीर के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 172-ज-(II)-84/6271.—श्री रघुनाथ सिंहा, पुत्र श्री तुलसी राम, गांव कुलताना, तहसील काजर (अब बहादुरगढ़) जिला रोहतक, को दिनांक 7 मई, 1983 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री रघु नाथ सिंह को मुक्तिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2858-ग्रार-(III)-68/4514, दिनांक 28 नवम्बर, 1968, अधिसूचना क्रमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती राम कली के नाम खरीफ, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 106-ज-(I)-84/6275.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री फेरा सिंह, पुत्र श्री मोहर सिंह, गांव अधोया, तहसील पेहवा, जिला कुहनेत्र, को रखी, 1973 से रखी, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 186-ज-(I)-84/6279.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री अमर सिंह, पुत्र श्री शिवकरण, निवासी 12, बिसदा मोहल्ला, गुडगांवा, जिला गुडगांवा, को रखी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।